

10 जनवरी, 2025  
पौष, शुक्ल पक्ष, एकादशी  
संवत् 2081  
पूर्ण : 12, ग्रूम्य : ₹3.00

रांगी

शुक्रवार, वर्ष 10, अंक 83

ओडिशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कोयला मंत्री ने 1.36  
लाख करोड़ रुपये  
बकाया का समाधान  
का दिया भरोसा

# आजाद सिपाही



10 जनवरी, 2025  
पौष, शुक्ल पक्ष, एकादशी  
संवत् 2081  
पूर्ण : 12, ग्रूम्य : ₹3.00

18वां प्रवासी भारतीय दिवस  
18<sup>th</sup> PRAVAK BHARATIYA DIVAS  
8th-10th January 2025



विदेश मंत्रालय  
भारत सरकार



## विश्व में बढ़ाया देश का मान प्रवासी भारतीयों का हार्दिक सम्मान



दुनिया भर में फैले भारतीय डायस्पोरा का इतिहास,  
उनके उस देश में पहुंचने और वहां अपना परचम  
लहराने की गाथाएं, भारत की अहम विरासत हैं।  
-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



## प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार वितरण

### श्रीमती द्वौपदी मुर्मु

भारत की माननीय राष्ट्रपति

के द्वारा



### प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन

10 जनवरी, 2025

जनता मैदान, भुवनेश्वर

गरिमामयी उपस्थिति

डॉ. हरि बाबू कंभमपति  
राज्यपाल, ओडिशा

श्री मोहन चरण माझी  
मुख्यमंत्री, ओडिशा

डॉ. एस. जयशंकर  
विदेश मंत्री, भारत सरकार

श्री धर्मेन्द्र प्रधान  
शिक्षा मंत्री, भारत सरकार

श्री जुएल ओराम  
जनजातीय कार्य मंत्री, भारत सरकार

श्री कीर्तिवर्धन सिंह  
विदेश, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री  
भारत सरकार

श्री पवित्रा मार्गरिटा  
विदेश एवं कपड़ा राज्य मंत्री  
भारत सरकार

कार्यक्रम के विवरण  
के लिए स्कैन करें



#### मुख्य आकर्षण

##### पूर्णांग अधिवेशन

प्रवासी दिवस: महिला नेतृत्व और प्रभाव का उत्सव - नारी शक्ति

प्रवासी संवाद: संस्कृति, संबंध और अपनेपन की कहानियां

अतिथि देवो भव

डीडी न्यूज़ और डीडी ओडिशा पर लाइव देखें | यूट्यूब पर: DD News / DD ODIA

सूचना एवं जन संपर्क विभाग, ओडिशा सरकार

DADLS-82











# संपादकीय

## सुस्ती की दस्तक

ने शनल स्टेटिस्टिकल ऑफिस (एनएसओ) के पहले अग्रिम अनुमान में वित्त वर्ष 2025 में डॉजीपी ग्रोथ के 6.4% रहने की उम्मीद है, जो अच्छी खबर नहीं है। यह आरबीआई के 6.6% के अनुमान और वित्त वर्ष 2024 की 8.2% की ग्रोथ से काफी कम है। इस डेटा के अन्ते के बाद आरबीआई पर ब्याज दरों में कटौती का दबाव सरकार की ओर से बढ़ सकता है। दूसरी ओर 1 फरवरी को आने वाले बजट पर भी निगाहें होंगी कि सरकार इकॉनॉमी को बूस्ट करने के लिए क्या कदम उठाती है। एनएसओ का मानना है कि मैन्युफैक्चरिंग और निवेश घटने से ग्रोथ पर बुरा असर पड़ने जा रहा है। वित्त वर्ष 2025 में अप्रैल से नववर्ष के बीच कैपिटल एक्सपोंडर में 12.3% की सालाना गिरावट आयी। लोकसभा बावजूद फिर भारी वारिश की जगह से सरकार वह पैसा इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट पर खर्च नहीं कर पायी, जिससे इकॉनॉमी पर दबाव बना। वित्त वर्ष के बचे हुए महीनों में इसमें तेजी आने की आशा है, जिससे अर्थव्यवस्था को सोर्पोर्ट मिल सकता है। एनएसओ के अनुमान के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में कृषि क्षेत्र की ग्रोथ अच्छी रहेगी और निजी खपत में भी साल

एनएसओ के अनुमान के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में कृषि क्षेत्र की ग्रोथ अच्छी रहेगी और निजी खपत में भी साल भर पहले की तुलना में अच्छा सुधार दिखेगा, लेकिन कैपिटल एक्सपोंडर में गिरावट का कारण स्थिति अच्छी नहीं दिख रही है। वहीं, कृषि क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन की जगह से रुपांड लिमांड में रिकवरी हुई है,

लेकिन शहरी क्षेत्रों में मांग कमज़ोर है। देखना होगा कि अर्बन डिमांड को बढ़ावा देने के लिए सरकार क्या उपाय करती है। अर्थव्यवस्था की रफ़ार तेज बनाये रखने के लिए सरकार को डिमांड और निवेश बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। इसका एक विकल्प हो सकता है कि सरकार टैक्स में रियायत दे, ताकि लोगों के हाथ में खर्च करने के लिए अधिक पैसा बचे। जब लोग वह पैसा खर्च करेंगे, तो इकॉनॉमी को सोर्पोर्ट मिलेगा। अगर फरवरी के बैठक में आरबीआई ब्याज दरों में कटौती करता है, तो उससे भी शहरी उपभोक्ता वर्ग को कम एट्क के रूप में गहर भिलेगा। इससे जो बचत होगी, उससे भी डिमांड में बढ़ावटारी हो सकती है। ब्याज दरों कम होती है, तो कॉर्पोरेट सेक्टर की दिलचस्पी भी निवेश में बढ़ती है। वह अपनी क्षमता बढ़ाता है, जिससे रोजगार के मौके बढ़ते हैं, लिहाजा डिमांड भजबूत होती है। अगर 2024 तक विकसित भारत का सपना पूरा करना है, तो अर्थिक ग्रोथ की रफ़ार तेज करनी होगी।

### अभिमत आजाद सिपाही

सरकार ने प्रवासी भारतीयों को जोड़ने और उन्हें भारतीय विकास प्रक्रिया में भागीदार बनाने के लिए कई पहल की हैं। इनमें से एक प्रमुख पहल है साल आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष 18वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 8 से 10 जनवरी तक ओडिशा के भुवनेश्वर में आयोजित किया जा रहा है। भारत के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास में प्रवासी भारतीयों का योगदान अतुलनीय है।

## दो देशों के बीच सेतु का काम करते हैं प्रवासी भारतीय

### देवेंद्राज सुधार

भारत अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विवासत, विविधता और प्राचीन परंपराओं के लिए जाना जाने वाला देश है। आज दुनिया के 200 से अधिक देशों में बसे 6.24 करोड़ प्रवासी भारतीय न केवल अपने मूल देश की सांस्कृतिक पदचारी को बचाये हुए हैं, बल्कि अपने काव्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त कर भारत को गौवानवित भी कर रहे हैं। इनमें से 3.5 करोड़ से अधिक प्रवासी भारतीय ऐसे हैं, जो स्थायी रूप से विदेश में बस गये हैं, लेकिन उनका अपनी मातृभूमि से जुड़ाव बनकर है।

सरकार ने प्रवासी भारतीयों को जोड़ने और उन्हें भारतीय विकास प्रक्रिया में भागीदार बनाने के लिए कई पहल की हैं। इनमें से एक प्रमुख पहल हर साल आयोजित होने वाला प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन है। इस वर्ष 18वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 8 से 10 जनवरी तक ओडिशा के भुवनेश्वर में आयोजित किया जा रहा है। इस बार मुख्य विषय विकास भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान है।

भारत के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास में प्रवासी

### अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की उपलब्धियां भी प्रवासी भारतीयों के लिए गर्व की बात है।

भारतीयों का योगदान अतुलनीय है। वे भारत और अन्य देशों के बीच एक मजबूत सेतु का काम करते हैं। वर्ष 2023 में एनआरआई द्वारा भारत को भेजी गयी धनराशि 120 बिलियन अमेरिकी डॉलर

थी, जो दुनिया में सबसे

अधिक थी। आज भारत के

प्रमुख अर्थिक सांझेदारों में कनाडा,

अमेरिका, सऊदी अरब, कतर, अस्ट्रेलिया और यूरोपीय देश शामिल हैं। कनाडा में कीरीब 16 लाख एनआरआई रहते हैं, जो वहाँ की कुल



## PRAVASI BHARATIYA DIVAS

आज भारत एक मजबूत और विकसित राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। इसकी बहुत अर्थव्यवस्था, वैशिक गंध प्रगति और तकनीकी प्रगति यह संकेत देती है कि भारत एक मजबूत भविष्य की ओर अग्रिम है। आयोरकार प्रवासी भारतीय समुदाय अगले गिरिका निया रहा है। आयोरकार प्रवासी भारतीय

आवादों का करीब 3 प्रतिशत है। इसी तरह सऊदी अरब में 24.6 लाख और कतर में 8.20 लाख प्रवासी भारतीय रहते हैं।

वे भारतीय न केवल अपने कारोबार और अर्थ देशों में सफलता प्राप्त कर रहे हैं, बल्कि उन देशों के सामाजिक और अर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। भारत सरकार ने एनआरआई के कल्याण के लिए कई योजनाएं लागू की हैं। इनमें प्रवासी भारतीय योजना में भी जोड़ा गया है। यह योजना विशेष रूप से उल्लेखनीय है। वह योजना विशेष रूप से तक का बीमा योजना में भी जोड़ा गया है। इसके अलावा भारत का स्टार्टअप इंकेस्टम दुनिया के टॉप-3 में स्थापित किया है। आज भारत में वैशिक रीयल-टाइम डिजिटल लेन-देन का 40 प्रतिशत हिस्सा है। इसके अलावा भारत का स्टार्टअप इंकेस्टम दुनिया के टॉप-3 में स्थापित किया है। आज भारत में वैशिक रीयल-टाइम डिजिटल लेन-देन के लिए केवल संबंधित देशों के लाभ होता है, बल्कि भारतीय मूल की पहचान भी मजबूत होती है। भारत ने अनिवासी भारतीयों को उनके अधिकार और सुविधाएं प्रदान करने के लिए वीजा नियमों को सरल बनाया है। अब तक 133 देशों के साथ वीजा छूट समझौते पर हस्ताक्षर किये जा चुके हैं और 166 देशों में ई-वीजा सुविधा उल्लंघन है। इसके अलावा प्रथान-पूर्व अधिविनायक प्रशिक्षण (पीडीओटी)

जैसे कार्बनक्रम प्रवासी श्रमिकों को विदेश जाने से पहले आवश्यक प्रशिक्षण और जानकारी प्रदान करते हैं।

भारत की वैशिक उपस्थिति और प्रतिश्वासी भारतीयों के लिए गर्व की बात है। भारत की डिजिटल क्रांति ने इसे एक अग्रणी राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। आज भारत में वैशिक रीयल-टाइम डिजिटल लेन-देन के लिए पहचान जाते हैं। उनके योगदान से न केवल संबंधित देशों के लाभ होता है, बल्कि भारतीय मूल की पहचान भी मजबूत होती है। भारत ने अनिवासी भारतीयों को उनके अधिकार और सुविधाएं प्रदान करने के लिए वीजा नियमों को सरल बनाया है। अब तक 133 देशों के साथ वीजा छूट समझौते पर हस्ताक्षर किये जा चुके हैं और 166 देशों में ई-वीजा सुविधा उल्लंघन है। इसके अलावा भारतीयों के लिए भारत

विमानवाहक पोत आइएनएस विक्रांत और परमाणु पनडुब्बी अरिहंत जैसी परियोजनाओं ने भारत की तकनीकी ओर रक्षा क्षमताओं को नयी ऊँचाइयों पर पहुंचाया है। भारत सरकार द्वारा प्रवासी भारतीयों के लिए शुरू किये गये संवाद तंत्र भी उनकी समस्याओं के समाधान और सुआव प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंत्र प्रदान करते हैं। कांसुलर संवाद प्रणाली के तहत अब तक 30 से अधिक देशों के साथ द्विपक्षीय समझौते किये जा चुके हैं, जिसके माध्यम से वीजा और अन्य मुद्राएँ पर चर्चा की जाती है।

प्रवासी भारतीय दिवस के रूप में परियोजना और समुदायों के लिए प्रेरणास्रोत है, बल्कि भारत के वैशिक संबंधों के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी उपलब्धियां भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं और वह साबित करती है कि भारत के मूल्यों और शिक्षा की वैशिक स्तर पर कितनी मांग है।

आज भारत एक मजबूत और विकसित राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। इसकी बढ़ी अर्थव्यवस्था, वैशिक मंच पर भ्रावशाली भारतीय समुदाय अगले गिरिका निया रहा है। आयोरकार प्रवासी भारतीय

### देश-विदेश की खबरें

## महाकुंभ 2025: भारतीय रेलवे चलायेगी 10,000 से अधिक सामान्य और 3300 विशेष ट्रेनें

### आजाद सिपाही संवाददाता



जाने वाले लोगों के लिए भारतीय रेलवे 10,000 से अधिक ट्रेनें और 3300 विशेष ट्रेनें उपलब्ध करायेंगी, तो इन्हें रेलवे बोर्ड के सूचना और प्रचार के कार्यकारी निवेदक ने कहा है।</p











# प्रवासी भारतीय दिवस मनाने और ओडिशा को चुनने के लिए धर्मेंद्र प्रधान ने प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया

आजाद सिपाही संचादनाता

भवनेश्वर। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस बार प्रवासी भारतीय दिवस के लिए ओडिशा को चुनने के लिए ओडिशा को धन्यवाद दिया। उन्होंने बहाँ के लोगों के आतिथ्य सलकार को भी जाना। जिनमें भी लोगों से मैं मिला हूं उनका कहना है कि यहाँ के लोगों का आतिथ्य सलकार बहुत अच्छा है। यहाँ के आतिथ्य को तकनीकी स्तर के मेहमानों द्वारा खूब सराहा गया है। यहाँ का माहौल बहुत पसंद आया, इसके साथ ही राज्य सरकार द्वारा बहुत उच्च स्तर पर फ़ैज़जाम किये गये हैं। मैं ओडिशा को यह समान लोगों के लिए प्रधानमंत्री को आवाहन है कि वे एक-एक पेड़ लगाकर वैश्विक पर्यावरण को संसुलिल करें। भारत इतिहास और परंपरा का एक मुख्यमंत्री ने किया राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्म का हवाई अड्डे पर स्वागत



धन्यवाद देता हूं। प्रधानमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम पर लगाने और उसे विश्व स्तर पर ले जाने का आवाहन किया है कि वे आये और भारत की पर्यावरणी, विरासत और ऐतिहासिक पुराणों को दिखाने के लिए भारत के राजदूत के रूप में कार्य करें।

ओडिशा शांति की भूमि है। कलिङ्ग युद्ध की पहचान का श्रेय



शांति को दिया जाता है। तो यह युद्ध नहीं बल्कि युद्ध का आवाहन है जो हमारे बहुत पुराने

ऐतिहासिक तथ्यों को दर्शाता है, और उनके समाज का मूल चरित्र क्या था। शांति हमारे समाज का

चरित्र था। इसलिए, प्रधानमंत्री ने समाज के चरित्र को बनाये रखते हुए हमारे ओडिशा का कद बढ़ाया और राजनीतिक स्तर पर हमारे है। भारत दुनिया के युवाओं का

देश है। आने वाले दिनों में भारत का नेतृत्व युवाओं के कंधों पर बैठकर आगे बढ़ेगा।

## ओडिशा वॉरियर्स ने ऐसोटेक हिल्स, रांची का दौरा कर समुदाय को प्रेरित किया

आजाद सिपाही संचादनाता

रांची। झारखण्ड खेल भावना और समुदाय की भागीदारी का अनुदृत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए, ओडिशा वॉरियर्स महिला हॉकी टीम ने ऐसोटेक हिल्स रांची प्रोजेक्ट का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने नियासियों को आवाहन किया और आने वाली पीड़ियों को प्रेरित किया। रांची में अन्यास और उद्योग ने महिला हॉकी टीम द्वारा प्रस्तावित किया। खिलाड़ियों ने ऑफिशियल दिवे, सेलिफ्यन ली और प्रेरणादात्रक कहानियां साझा कीं। नियास ऐसोटेक हिल्स में एक जीवंत और यादगार माहील बन गया। दौरे के दौरान टीम ने प्रोजेक्ट का लोक कला और संस्कृति की झलक देखने को मिली है। राष्ट्रपति के स्वागत के लिए भवनेश्वर आल मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, राज्यपाल हरिहराबू कंबमपति, भुवनेश्वर की सांसद अपराजिता पंडित, मेयर सुलोचना दास, पुलिस महिलादेशक हवाई अड्डे पर पहुंचे। राष्ट्रपति के स्वागत के

गवर्नर से भर दिया, जो इस बात को अपने जीवन का जीवनशैली के लिए प्रतिबद्ध समुदाय है। विश्वस्तर के हॉकी सितारों और ओलंपिक हीरोज से मिलना, खासकर युवाओं के लिए, एक अविसरणीय अनुभव था। जो देश में इस पैमाने का पहला अंतर्राष्ट्रीय महिला हॉकी टीम से केवल टीम का स्वामित्व लेना नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच बनाना है जहाँ महिला हॉकी खिलाड़ी चमक सके। वे खेल में किसी से कम नहीं हैं। ऐसोटेक हिल्स रांची में यह दिन खेल और समुदाय के बंधन का जीवंत उत्सव था, जहाँ नियासियों ने ओडिशा के स्वार्यों से मिलकर और उन्हें समर्थन देकर गर्व महसूस किया। टीम की तैयारी में जुटी टीम ने एक ऐसा खेलभावा और आत्म-विश्वास का प्रतीक बनेगा।

## जेएसपी ने बाल विवाह की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान शुरू किया

अंगूल (आजाद सिपाही)।



जिंदल स्टील एंड पावर (जेएसपी) की पॉर्पेर सामाजिक जिम्मेदारी शाखा, जिंदल फॉर्डेशन ने बाल विवाह की रोकथाम के लिए जागरूकता

अभियान शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य समुदाय को बाल विवाह के खारें के बारे में शिक्षित करना और जिले में इस अवैध प्रथा को रोकने के प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। जिला कॉनेक्टर, अब्दाल अखरन ने अभियान की जागरूका ड्राइव की आधिकारिक रूप से शारीरिक विवाह के लिए जागरूकता

अभियान शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य समुदाय को बाल विवाह के खारें के बारे में शिक्षित करना और जिले में इस अवैध प्रथा को रोकने के प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। जिला कॉनेक्टर, अब्दाल अखरन ने अभियान की जागरूका ड्राइव की आधिकारिक रूप से शारीरिक विवाह के लिए जागरूकता

अभियान शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य समुदाय को बाल विवाह के खारें के बारे में शिक्षित करना और जिले में इस अवैध प्रथा को रोकने के प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। जिला कॉनेक्टर, अब्दाल अखरन ने अभियान की जागरूका ड्राइव की आधिकारिक रूप से शारीरिक विवाह के लिए जागरूकता

अभियान शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य समुदाय को बाल विवाह के खारें के बारे में शिक्षित करना और जिले में इस अवैध प्रथा को रोकने के प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। जिला कॉनेक्टर, अब्दाल अखरन ने अभियान की जागरूका ड्राइव की आधिकारिक रूप से शारीरिक विवाह के लिए जागरूकता

अभियान शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य समुदाय को बाल विवाह के खारें के बारे में शिक्षित करना और जिले में इस अवैध प्रथा को रोकने के प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। जिला कॉनेक्टर, अब्दाल अखरन ने अभियान की जागरूका ड्राइव की आधिकारिक रूप से शारीरिक विवाह के लिए जागरूकता

अभियान शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य समुदाय को बाल विवाह के खारें के बारे में शिक्षित करना और जिले में इस अवैध प्रथा को रोकने के प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। जिला कॉनेक्टर, अब्दाल अखरन ने अभियान की जागरूका ड्राइव की आधिकारिक रूप से शारीरिक विवाह के लिए जागरूकता

अभियान शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य समुदाय को बाल विवाह के खारें के बारे में शिक्षित करना और जिले में इस अवैध प्रथा को रोकने के प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। जिला कॉनेक्टर, अब्दाल अखरन ने अभियान की जागरूका ड्राइव की आधिकारिक रूप से शारीरिक विवाह के लिए जागरूकता

अभियान शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य समुदाय को बाल विवाह के खारें के बारे में शिक्षित करना और जिले में इस अवैध प्रथा को रोकने के प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। जिला कॉनेक्टर, अब्दाल अखरन ने अभियान की जागरूका ड्राइव की आधिकारिक रूप से शारीरिक विवाह के लिए जागरूकता

अभियान शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य समुदाय को बाल विवाह के खारें के बारे में शिक्षित करना और जिले में इस अवैध प्रथा को रोकने के प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। जिला कॉनेक्टर, अब्दाल अखरन ने अभियान की जागरूका ड्राइव की आधिकारिक रूप से शारीरिक विवाह के लिए जागरूकता

अभियान शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य समुदाय को बाल विवाह के खारें के बारे में शिक्षित करना और जिले में इस अवैध प्रथा को रोकने के प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। जिला कॉनेक्टर, अब्दाल अखरन ने अभियान की जागरूका ड्राइव की आधिकारिक रूप से शारीरिक विवाह के लिए जागरूकता

अभियान शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य समुदाय को बाल विवाह के खारें के बारे में शिक्षित करना और जिले में इस अवैध प्रथा को रोकने के प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। जिला कॉनेक्टर, अब्दाल अखरन ने अभियान की जागरूका ड्राइव की आधिकारिक रूप से शारीरिक विवाह के लिए जागरूकता

अभियान शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य समुदाय को बाल विवाह के खारें के बारे में शिक्षित करना और जिले में इस अवैध प्रथा को रोकने के प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। जिला कॉनेक्टर, अब्दाल अखरन ने अभियान की जागरूका ड्राइव की आधिकारिक रूप से शारीरिक विवाह के लिए जागरूकता

अभियान शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य समुदाय को बाल विवाह के खारें के बारे में शिक्षित करना और जिले में इस अवैध प्रथा को रोकने के प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। जिला कॉनेक्टर, अब्दाल अखरन ने अभियान की जागरूका ड्राइव की आधिकारिक रूप से शारीरिक विवाह के लिए जागरूकता

अभियान शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य समुदाय को बाल विवाह के खारें के बारे में शिक्षित करना और जिले में इस अवैध प्रथा को रोकने के प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। जिला कॉनेक्टर, अब्दाल अखरन ने अभियान की जागरूका ड्राइव की आधिकारिक रूप से शारीरिक विवाह के लिए जागरूकता

अभियान शुरू किया है।